

23-24 Oct 2021

आधुनिक संस्कृत गद्य के संदर्भ में अध्ययन: एक नयी सोच

साधना संगम, शोधकर्ता (संस्कृत विभाग), सनराइज़ विश्वविद्यालय, अलवर (राजस्थान)

सारांश

संस्कृत भाषा भारतीय ज्ञान, संस्कृति, दर्शन और साहित्य की समृद्ध परंपरा की प्रमुख संवाहक रही है। सामान्यतः संस्कृत साहित्य का अध्ययन प्राचीन काव्य, नाटक, महाकाव्य एवं शास्त्रीय ग्रंथों के संदर्भ में अधिक किया जाता है, किंतु आधुनिक युग में संस्कृत गद्य ने भी नवीन विषयवस्तु, शिल्प, भाषा-प्रयोग और अभिव्यक्ति के माध्यम से अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। प्रस्तुत शोध-पत्र में आधुनिक संस्कृत गद्य के विविध आयामों का अध्ययन करते हुए उसकी समकालीन प्रासंगिकता को रेखांकित करने का प्रयास किया गया है। आधुनिक संस्कृत गद्य में सामाजिक परिवर्तन, राष्ट्रीय चेतना, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा, नारी-विमर्श, मानवीय मूल्यों तथा समसामयिक जीवन की समस्याओं जैसे विषयों का समावेश दिखाई देता है। इस साहित्य में परंपरा और आधुनिकता के मध्य एक सार्थक समन्वय स्थापित करने का प्रयास किया गया है। आधुनिक संस्कृत गद्यकारों ने सरल, प्रवाहपूर्ण एवं नवीन अभिव्यक्ति के माध्यम से संस्कृत भाषा को वर्तमान सामाजिक परिवेश से जोड़ने का कार्य किया है। प्रस्तुत अध्ययन में आधुनिक संस्कृत गद्य की भाषा-शैली, विषय-विस्तार, रचनात्मकता तथा सामाजिक उपयोगिता का विश्लेषण किया गया है। साथ ही, डिजिटल माध्यमों एवं आधुनिक संचार तकनीकों के द्वारा संस्कृत गद्य के प्रसार की संभावनाओं पर भी विचार किया गया है। अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि आधुनिक संस्कृत गद्य केवल परंपरा का विस्तार नहीं, बल्कि समकालीन चिंतन और नवीन सृजनात्मक दृष्टि का प्रभावी माध्यम भी है।

मुख्य शब्द: आधुनिक संस्कृत गद्य, संस्कृत साहित्य, आधुनिकता, परंपरा, समकालीन चिंतन, भाषा-शैली, सामाजिक चेतना, नयी सोच